भेलाई गांव , बलोदा तहसील, जांजगीर–चांपा जिला, छत्तीसगढ़ राज्य में प्रस्तावित 0.99 एमटीपीए की कोल वाशरी केलिए

पर्यावरणीय प्रभाव आकलन

कार्यपालक सार

परियोजना प्रस्तावक

मेसर्स इंसपायर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड

बिलासपुर , छत्तीसगढ़

पर्यावरणीय परामर्शदाता

विमता लैब्स लिमिटेड
142, आईडीए फेज–II, चेरलापल्ली
हैदराबाद–500051, तेलंगाना राज्य
www.vimta.com, env@vimta.com

अक्तूबर 2019

1.0 कार्यपालक सार

1.1 प्रस्तावना

मेसर्स इंसपायर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का भेलाई गांव, बलोदा तहसील, जांजगीर–चांपा जिला, छत्तीसगढ़ राज्य में 0.99 एमटीपीए क्षमता की कोल वाशरी स्थापित करने का प्रस्ताव है। प्रस्तावित परियोजना की अनुमानित लागत लगभग रु.23 करोड़ है।

2.0 परियोजना का औचित्य

बेनिफिशिएटेड नॉन–कोकिंग कोल की संभावित अपेक्षा/ आवश्यकता एवं वर्तमान कुल क्षमता में मौजूदा स्थिति में बहुत अंतराल से स्पष्ट उल्लेख होता है कि निजी क्षेत्र में नॉन–कोकिंग कोल के बेनिफिशिएशन के लिए इसकी क्षमता की वृद्धि की अपार संभावनाएं हैं। इसके अलावा, वाशरीज को 100% क्षमता के साथ प्रचालन करने के लिए निरंतर साध्यता संभव नहीं है। इसलिए पश्चाती चरण में 40–50मे.ट. अतिरिक्त क्षमता के लिए प्रावधान करने पर विचार किया जाना चाहिए।

3.0 पर्यावरणीय व्यवस्था

अध्ययन क्षेत्र के अंतर्गत प्रस्तावित कोल वाशरी प्लांट की 10कि.मी. की त्रिज्या शामिल है। प्रस्तावित संयंत्र स्थल की पर्यावरणीय व्यवस्था नीचे दी गई है :

- परियोजना क्षेत्र की भूगौलिक सीमाएं : अक्षांक्ष –22^{0}09’22.21’’ उ.एवं देशांतर 82^{0}29’40.10’’पू.
- पानी के स्त्रोत : लीलागड़ नदी – 4.9कि.मी., उ.प, हसदो दाएं तट नहर – 3.4 कि.मी. पू.द.पू., हसदो नदी – 14.3 कि.मी., पू.
- प्रस्तावित परियोजना स्थल पूरीतरह सपाट/समतल भूमि है।
- निकटतम हवाईअड्डा रायपुर है, जो परियोजना स्थल से सड़क मार्ग में 165 कि.मी. की दूरी पर है। राष्ट्रीय राजमार्ग – 130 एवं 130ए परियोजना स्थल से लगभग 6.0 एवं 8.0 कि.मी. की दूरी पर है।
- परियोजना स्थल से 10कि.मी. की त्रिज्या में कोई वन एवं पारिस्थितिकी संवेदनशील क्षेत्र नहीं है।
- अध्ययन क्षेत्र में कोई वन्यप्राणी अभयारण्य, राष्ट्रीय उद्यान, जैवमंडल रिजर्व्स, कोई संवेदनशील प्रजातियों के प्रवासीय कॉरिडॉर नहीं है।

3.1 परियोजना विवरण

प्रस्तावित कोल वाशरी के महत्वपूर्ण लक्षण नीचे सारणी–1 में दिए गए हैं :–

सारणी–1
प्रस्तावित कोल वाशरी प्लांट के महत्वपूर्ण लक्षण

क्रमांक	प्राचल	विवरण
1	क्षमता/वार्षिक उत्पन्नता	200टीपीएच
2	वाशिंग प्रौद्योगिकी	हेवी मीडिया साइक्लोन प्रौद्योगिकी
3	प्रक्रिया दर	1 X 200 टीपीएच
4	प्रक्रिया	वेट प्रॉसेस जिसके अंतर्गत क्रशिंग, स्क्रीनिंग, वाशिंग एवं हैंडलिंग होंगे
5	कोयले के स्त्रोत	एसईसीएल के कुसमुंडा, गेवरा एवं दीपका खदान – ग्राहकों की ओर से कच्चे कोयला लिफ्ट किया जाएगा। कभी कभी ई–आक्शन के जरिए भी लिया खरीदा जाएगा।
6	कोयला राख तत्व	
	a इनपुट कच्ची कोयला	39%
	b उत्पन्नता (वाश्ड कोयला)	34%
	c रिजेक्ट्स	60%
7	भूमि आवश्यकता	20.83एकड़
8	पानी की आवश्यकता एवं स्त्रोत	250 केएलडी, जिसकी पूर्ति भूमिगत पानी के स्त्रोतों से की जाएगी। छत्तीसगढ़ भू–गर्भ जल मंडल पानी लेने के लिए आवेदन किया जाएगा।
9	पानी का उपचार	
	a) अपशिष्ट पानी का निर्माण एवं अपशिष्ट पानी का उपचार	प्रस्तावित संयंत्र से कोई अपशिष्ट पानी नहीं निकलेगा क्योंकि संयंत्र की डिजाइन शून्य उत्प्रवाह विसर्जन सिद्धांत पर आधारित होगी।
10	a बिजली की आवश्यकता	छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत बोर्ड से 820 केवीए 33 एलवीए सब–स्टेशन
	b स्त्रोत	छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत बोर्ड(छ.रा.वि.बो.)
11	कोयले का परिवहन	एसईसीएल खानों से आरओएम कोयले का परिवहन सड़क मार्ग से किया जाएगा। सड़क मार्ग से कोयले का परिवहन बंद/ढ़के हुए ट्रकों के जरिए किया जाएगा जोकि पर्यावरण के अनुकूल है।
12	मेनपॉवर की आवश्यकता	निर्माण चरण – 40–50 व्यक्ति प्रचालन चरण – 50 व्यक्ति
13	प्रचालन घंटे	5.5 घंटे प्रत्येक की तीन पाली (एक दिन में 16.5 घंटे प्रभावी) साल में 300दिन
14	परियोजना लागत	रु.23 करोड़ (ईएमपी, भूमि एवं रेल्वे साइडिंग लागत सहित)

श्रोत : परियोजना रिपोर्ट, आईआईपीएल

4.0 आधारस्तर पर्यावरणीय स्थिति :

आंशिक शीत ऋतु एवं आंशिक पूर्व–मानसून ऋतु को प्रतिनिधित्व करने वाली तीन महीने की अवधि 1 फरवरी 2019 से 30 अप्रैल 2019 को सम्मिलित करते हुए आधारस्तर डाटा का अनुवीक्षण अध्ययन किया गया है।

4. 1 भूमि उपयोग

अध्ययन क्षेत्र में राजस्व वन भूमि कुल भौगोलिक क्षेत्र में से 1743.54हे. (7.55%) है। कुल मिलाकर अध्ययन क्षेत्र में 14468.53हे. सिंचाई योग्य भूमि (कृषि, गैर–कृषि एवं विविध वृक्ष

फसल के अंतर्गत भूमि आदि सम्मिलित) पाई गई है। सिंचाई के लिए अनुपलब्ध भूमि कुल अध्ययन क्षेत्र का (4146.31हे.) 17.95% है, जिसके अंतर्गत झाडीदार भूमि, बिना झाड़ियों वाले भूमि, स्थायी चरागाह, खुली खान, खनन क्षेत्र, पथरीली व बंजर क्षेत्र सम्मिलित है। इसके अलावा उक्त भूमि के अंतर्गत वह भूमि भी सम्मिलित था जो सिंचाई के लिए उपयोग में स्थित भूमि भी था, परंतु अब एक साल से और अधिक से अधिक पांच साल तक सिंचाई के लिए उपयोग नहीं किया जा रहा हो। अध्ययन क्षेत्र में परती भूमि (311.25हे.) 1.35% है। अध्ययन क्षेत्र में वर्तमान परती भूमि (264.78हे.) 1.15% है। अध्ययन क्षेत्र में सिंचाई योग्य अपशिष्ट भूमि (371.66हे.) 1.61% है। अध्ययन क्षेत्र के अंतर्गत शहरी क्षेत्र कुल अध्ययन क्षेत्र में से (7.72%) 1783.10हे. है।

4.2 मौसम विज्ञान

अधिकतम तापमान अप्रैल 2019 के दौरान 41.8^{0}सें. और न्यूनतम तापमान फरवरी 2019 के दौरान 22.9^{0}से. के रेंज में पाया गया । सापेक्षिक आर्द्रता अधिकतम मार्च 2019 माह के दौरान 55% और न्यूनतम अप्रैल 2019 माह के दौरान 31% के रैंज में पाया गया है। प्रबल वायु/हवा की गति अधिकांश पश्चिम दिशा(16.4%) से है , उसके बाद उत्तर दिशा (12.4%) से है ।

4.3 परिवेशी वायु गुणवत्ता

परिवेशी वायु गुणवत्ता अनुवीक्षण(एएक्यूएम) दस स्थानों पर तीन महीनों के लिए सप्ताह में दो दिन की बारंबारिता से किया गया है। न्यूनतम और अधिकतम पीएम10,पीएम2.5, एसओ$_2$, एनओ$_{एक्स}$, एवं सीओ मूल्य नीचे दिए गए **सारणी–2** में दिए गए हैं। प्राप्त परिणाम उल्लेख करते हैं कि परिवेशी वायु में पीएम$_{10}$,पीएम$_{2.5}$, एसओ$_2$, एनओ$_{एक्स}$, एवं सीओ की सांद्रताएं आवासीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लिए निर्धारित राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता(एनएएक्यू) के मानकों के अंदर ही है।

सारणी–2
परिवेशी वायु गुणवत्ता स्तर

ऋतु / प्राचल	पीएम$_{10}$	पीएम$_{2.5}$	एसओ$_2$	एनओ$_x$	सीओ
शीत एवं आंशिक पूर्व–मानसून (2019)	24.6-48.6	14.2-32.5	8.4-15.5	11.4-18.4	196-458
एनएएक्यूएस 2009	**100**	**60**	**80**	**80**	**2000**

सभी मूल्य µg/m^{3}में दिए गए हैं।

4.4 पानी की गुणवत्ता

क्षेत्र में पानी के भौतिक एवं रासायनिक गुणों के आकलन के लिए अध्ययन क्षेत्र के अंदर दस भूमिगत पानी के नमूनों एवं तीन सतही पानी के नमूने संग्रहित की गई हैं और परियोजना स्थल के आसपास में विभिन्न पानी के स्त्रोतों से इनका विश्लेषण किया गया।

- **भूमिगत पानी**

पीएच 6.45 से 7.62 के रैंज में है। कुल कठोरता/ठोसपन 155.1–421.07 मि.ग्रा./ली के रैंज में पाया गया है। क्लोराइड्स एवं सल्फेट्स क्रमशः 120.53–392.5 मि.ग्रा/ली. एवं 0. 4–0.9 मि.ग्रा/ली. के रैंज में पाए गए हैं जो आईएस–10500 के निर्धारित अधिकतम

सीमाओं के अंदर ही है। नाइट्रेट्स एवं फ्लूराइड्स क्रमशः 7.8 – 24.5 मि.ग्रा/ली. एवं 0. 4–0.9 मि.ग्रा/ली. के रेंज में पाए गएं और ये परिणाम पीने के पानी के लिए आईएस–10500 के निर्धारित सीमाओं के अंदर ही है। भारी धातु तत्व पहचानने योग्य सीमाओं से कम श्रेणी में है। ई–कॉयल अनुपस्थित पाए गएं।

- **सतही पानी की गुणवत्ता**

पीएच एवं कंडक्टिविटी क्रमशः 6.89 – 7.08. एवं 106.7 – 631.0 माइक्रोसीमेन्स प्रति सेंटीमीटर के रेंज में हैं। कुल द्रवीभूत ठोस 425.0– 72.8 मि.ग्रा/ली. के रेंज में है। क्लोराइड्स एवं सल्फेट्स क्रमशः24.6–109.5 मि.ग्रा/ली. एवं 5.2–18.5 मि.ग्रा/ली. के रैंज में पाए गए हैं। भारी धातु तत्व निर्धारित सीमाओं के अंदर है। कोलीफोर्म जीव निर्धारित सीमाओं में पाए गए हैं।

4.5 मृदा की गुणवत्ता

क्षेत्र की वर्तमान मृदा की गुणवत्ता के आकलन करने के लिए प्रस्तावित कोल वाशरी के आसपास में आठ मृदा के नमूने एकत्रित किए गए। पाया गया है कि अध्ययन क्षेत्र में मृदा की पीएच 6.87 से 7.92 के रैंज में पाए गए हैं। इलेक्ट्रिकल कंडक्टिविटी 125 से 315 माइक्रोसीमेन्स प्रति सेंटीमीटर के रैंज में है। नाइट्रोजन मूल्य 21.6 कि.ग्रा/हे. से 110.2 कि.ग्रा/हे. के रेंज में पाया गया है। फोस्फोरस मूल्य 44.3 से 105.3 कि.ग्रा /हें. के रैंज में है और ये मूल्य उल्लेख करते हैं कि अध्ययन क्षेत्र में फोस्फोरस तत्व 'मध्यम' से 'पर्याप्त से अधिक' के रैंज में है। पोटाशियम मूल्य 111.0 कि.ग्रा/हे. से 262.9 कि.ग्रा/हे. के रैंज में है। क्लोराइड्स मिट्टी के 95.5 से 169.9 मि.ग्रा/कि.ग्रा के रैंज में है। बीच पाया गया है। ऐसा प्रकट होता है कि मिट्टी 'औसत पर्याप्त' से 'पर्याप्त से अधिक' की श्रेणी के अंतर्गत आती है।

4.6 ध्वनि स्तर

परियोजना स्थल के आसपास में दस स्थानों पर परिवेशी ध्वनि स्तरों का मापण किया गया हैः

अ)दिन के समय ध्वनि स्तर **(L_{day})**

सभी स्थानों में दिन के समय ध्वनि स्तर 44.2डीबी(ए) से 47.1डीबी(ए) तक के रेंज में है। पाया गया है कि दिन के समय ध्वनि स्तर आवासीय क्षेत्रों के लिए निर्धारित सीमा 55 डीबी(ए) के अंदर ही है।

ब)रात के समय ध्वनि स्तर **(L_{night})**

सभी स्थानों पर रात के समय रात के ध्वनि स्तर 40.6डीबी(ए) से 43.5डीबी(ए) तक के रेंज में है। पाया गया है कि रात के समय ध्वनि स्तर आवासीय क्षेत्रों के लिए निर्धारित सीमा 45 डीबी(ए) के अंदर ही है।

4.7 पारिस्थितिकी पर्यावरण

प्राथमिक सवेक्षण एवं वन विभाग के अभिलेखों के अनुसार पाया गया है कि अध्ययन क्षेत्र में कोई अभयारण्य, कोई राष्ट्रीय उद्यान, जैवमंडल रिजर्व्स नहीं है। अध्ययन क्षेत्र में कोई लुप्तप्राय पेडपौधे व जीवजंतु नहीं है । वन्यप्राणी (संरक्षण) अधिनियम 1972 के अनुसार अध्ययन क्षेत्र में अनूसूची–II, III, IV एवं V, से संबंधित स्तनधारी, पक्षी, रेंगनेवाली तथा कीट प्राणी आदि की मौजूदगी है। बोटानिकल सर्वे ऑफ इंडिया के रिकार्डो के अनुसार अध्ययन क्षेत्र में कोई संकटग्रस्त व लुप्तप्राय पेडपौधे नहीं है।

4.8 सामाजिक पर्यावरण

2011 जनगणना के अनुसार अध्ययन क्षेत्र में 91278 आबादी निवासरत है । अध्ययन क्षेत्र में पुरुष आबादी और महिला आबादी का अनुपात उल्लेख करता है कि पुरुष आबादी लगभग 50.57% और महिला आबादी लगभग 49.43% है। अध्ययन क्षेत्र की आबादी में 29.46% अनुसूचित जाति (एससी) एवं 13.36% अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लोग हैं। अध्ययन क्षेत्र की डाटा से प्रकट होता है कि 2011 जनगणना के अनुसार साक्षरता दर 85. 71%है। अध्ययन क्षेत्र में कुल कार्य प्रतिभागिता 52.50% है और गैर–श्रमिक कुल आबादी में 47.50% है ।

5.0 प्रत्याशित पर्यावरणीय प्रभाव और निवारण उपाय

5.1 स्थलाकृति

कोल वाशरी यूनिट के लिए प्रस्तावित स्थल एकदम सपाट है । संयंत्र के निर्माण के दौरान बहुत कम लेवलिंग कार्य की आवश्यकता होगी। इससे क्षेत्र में कोई गणनीय स्थलाकृतिक परिवर्तन नहीं होंगे। इसी प्रकार, क्षेत्र में कोई लघु या बृहद मौसमीय परिवर्तन नहीं होंगे क्योंकि क्षेत्र में कोई थर्मल असंतुलन नहीं होगा। अंततः यह कहा जा सकता है कि कोल वाशरी एकक के प्रचालन से क्षेत्र की स्थलाकृति एवं मौसमीय स्थिति में कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं होंगे।

5.2 वायु पर्यावरण

प्रस्तावित कोल वाशरी यूनिट से निकलने वाले मुख्य उत्सर्जन विविक्त कण/ उड़ने वाले धूल के कण होंगे। कोयले के परिवहन, कोयले को उतारते समय, संवाहन के समय एवं कोयले के भंडारण के दौरान उड़ने वाले धूल उत्सर्जन में वृद्धि हो सकती है। एसईसीएल खानों से आरओएम कोयले का परिवहन सड़क मार्ग से किया जाएगा। सड़क मार्ग से कोयले का परिवहन बंद ट्रकों के माध्यम से किया जाएगा। बिंदु स्त्रोत उत्सर्जन, धूल उड़ने वाले / क्षेत्र स्त्रोत उत्सर्जन एवं लाइन स्त्रोत उत्सर्जन आदि पर ध्यान देते हुए वायु प्रदूषण मॉडलिंग किया गया है। अधिकतम वृद्धिगत पीएम$_{10}$,पीएम$_{2.5}$ की सांद्रताएं क्रमशः 25.4 माइक्रोग्राम/घन मीटर एवं 7.2 माइक्रोग्राम/घन मीटर आकलित किया गया है। पीएम$_{10}$की परिणामी सांद्रताएं बाद में औद्योगिक / ग्रामीण / आवासीय एवं अन्य क्षेत्रों के लिए निर्धारित एनएएक्यू मानकों के अंदर ही होंगे।

पर्यावरणीय संरक्षण उपायों के कार्यान्वयन के साथ परियोजना से स्थानीय या क्षेत्रीय वायु गुणवत्ता पर या मानवीय स्वास्थ्य या वानस्पतिक पर कोई प्रतिकूल प्रभाव होने की संभावना नहीं है।

5.3 पानी पर्यावरण

घरेलू उपयोग सहित प्रस्तावित संयंत्र के लिए अपेक्षित पानी की मात्रा 250केएलडी होगी जिसकी पूर्ति बोरवेल पानी /भूगर्भ जल स्त्रोतों से की जाएगी। कोल वाशरी यूनिट के प्रचालन में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि प्रॉसेस के दौरान निकलने वाले अपशिष्ट पानी का 100 प्रतिशत कोल वाशिंग सर्किट में पुनःउपयोग किया जाएगा। संयंत्र से निकलने वाले घरेलू अपशिष्ट पानी को सेप्टिक टंकी / सोक गर्त में उपचारित किया जाएगा। शून्य डिसचार्ज स्थिति को बनाया रखा जाएगा। इस प्रकार संयंत्र परिसर से बाहर कोई पानी का डिसचार्ज नहीं किया जाएगा।

5.4 ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं भूमि उपयोग

प्रस्तावित कोल वाशरी प्लांट से लगभग 40टीपीएच रिजेक्ट्स उत्पन्न होंगे जिन्हें प्राधिकृत खरीददारों को बेचा जाएगा। रिजेक्ट्स को क्षेत्र में मौजूद ईंट चिमनियों के उत्पादकों को आपूर्त करने के प्रयास भी किए जाएंगे। विभिन्न सोख गर्तों से लगी हुई सेप्टिक टंकियों से कीचड व अवपंक के रूप में ठोस अपशिष्ट उत्पन्न होंगे। इस अपशिष्ट का उपयोग ग्रीनबेल्ट के विकास के लिए खाद के रूप में किया जाएगा।

कोल रिजेक्ट्स का परिवहन ढ़के हुए ट्रकों से किया जाएगा। अतः पर्यावरणीय प्रबंध योजना के समुचित ढ़ंग से लागू किए जाने पर कोई गणनीय प्रभाव संभावित नहीं होंगे। खर्च किए गए तेल एवं लुब्रिकेंट्स आदि का लीक प्रुफ ड्रमों में संग्रहीत कर बाद में इन्हें निर्धारित क्षेत्र में इकठ्ठा किया जाएगा जिसे संयंत्र लुब्रिकेंट के रूप में उपयोग किया जाएगा जिसे प्राधिकृत वेंडर्स / खरीददारों को बेचा जाएगा।

5.5 ध्वनि पर्यावरण

अधिकतम ध्वनि उत्पन्न करने वाले स्त्रोत हैं –– स्क्रीन्स, क्रशर्स, ब्लोयर्स एवं ड्रैयर्स । इन ध्वनि स्त्रोतों से ध्वनि स्तर कभी निरंतर या बीच–बीच में उत्पन्न होंगे। ऐसे उच्च ध्वनि स्त्रोतों के समीप कार्यरत कर्मचारियों को इयरप्लग्स / इयर मफ्ज प्रदान किए जाएंगे।

संयंत्र परिसीमा पर और साथ–साथ सभी आसपास के मकानों / आवासों में वृद्धिगत ध्वनि स्तर लगभग 30 डीबी(ए) से 35 डीबी(ए) के बीच होंगे। अनुरूपण परिणामों में पाया गया है कि वृद्धिगत ध्वनि स्तर कारखाना/प्रस्तावित संयंत्र परिसर तक ही प्रतिबंधित होंगे और सीपीसीबी मानकों का उल्लंघन नहीं करेंगे। अतः मानवीय आवासों तथा आसपास के पर्यावरण पर कोई खास ध्वनि का प्रभाव नहीं होगा।

5.6 पेडपौधे एवं जीवजंतु तथा ग्रीनबेल्ट का विकास

वर्तमान पेडपौधे व वानस्पतिक की स्थिति का आकलन करने और जैविक संसाधनों के रिकार्ड करने के लिए अध्ययन क्षेत्र में एक पारिस्थितिकी सर्वेक्षण किया गया है। क्षेत्र में कोई लुप्तप्राय या स्थानिक मारी पौध प्रजातियां रिकार्ड नहीं की गई है। बफर जोन में जीवजंतु क्षेत्र

की विशेष श्रेणी है । प्रस्तावित कोल वाशरी इकाई का क्षेत्र लगभग 8.43हे. है। प्रस्तावित पौधारोपण लगभग 3.50हे.(उदा : 44.3%) के क्षेत्र में होगा। वृक्षारोपण एवं उनके रखरखाव एवं संरक्षण पर पर्याप्त ध्यान दिया जाएगा।

5.7 सामाजिक–आर्थिकी

वाशरी के निर्माण चरण एवं प्रचालन चरण के दौरान क्षेत्र को प्राप्त होने वाले प्रमुख आर्थिक लाभों जैसे प्रत्यक्ष व परोक्ष रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। प्रस्तावित परियोजना की स्थापना के बाद स्थानीय लोग लाभान्वित होंगे जैसे छोटे–मोटे ठेका कार्य एवं संबद्ध व्यापार संस्थापनाओं के माध्यम से। आईआईपीएल द्वारा समीपवर्ती गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य, एवं स्वच्छता प्रबंधन, सामुदायिक आधारभूत संरचना विकास, खेलकूद एवं महिला सशक्तिकरण आदि के विकास के लिए नैगम सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। क्षेत्र में विभिन्न सामाजिक कल्याण एवं सामुदायिक विकास गतिविधियों के कार्यों में सालाना निवल लाभ की 2% समतुल्य राशि निवेश करने का प्रस्ताव है।

5.8 स्वास्थ्य एवं सुरक्षा अनुवीक्षण योजना

सभी संभाव्य व्यावसायिक खतरायुक्त कार्य क्षेत्रों जैसे ईंधन भंडारण क्षेत्र, कोयला निपटारा क्षेत्र आदि का नियमित रूप से अनुवीक्षण किया जाएगा। उत्पादकता और अच्छे नियोजक–कर्मचारी संबंधों के लिए व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य बहुत महत्वपूर्ण है। व्यावसायिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले मुख्य तत्व है –– उड़ने वाले धूल कण एवं ध्वनि स्तर। प्रचालन, अनुरक्षण एवं कोयले का निपटान के दौरान कर्मचारी की सुरक्षा पर कंपनी की नियमावली के अनुसार विशेष ध्यान दिया जाएगा। कर्मचारियों को वैयक्तिक सुरक्षा उपकरण जैसे डस्ट मास्क्स, इयर प्लग्स / इयर मफ्ज आदि प्रदान किए जाएंगे। अतः कर्मचारियों के स्वास्थ्य पर कोई गणनीय प्रभाव प्रत्याशित नहीं है।

6.0 निष्कर्ष

समुचित निवारणोपाय एवं पर्यावरणीय प्रबंध तकनीकों एवं ईआईए/ईएमपी में सुझावित उपाय तथा एमओईएफ&सीसी, एवं राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा निर्धारित की गई सुझावों के प्रभावात्मक कार्यान्वयन के साथ प्रस्तावित परियोजना का स्थानीय पर्यावरण पर प्रभाव सीमित होंगे। प्रतिकूल प्रभावों को यथासंभव बहुत कुछ हद तक कम किया जाएगा। तथापि, इस परियोजना के विकास से क्षेत्रीय अर्थ व्यवस्था में विकास, प्रबल रूप में सिंचाई क्षेत्रों का गणनीय औद्योगिक विकास क्षेत्र में परिवर्तन, सरकारी अर्जनों व राजस्व में वृद्धि तथा क्षेत्र में औद्योगिक विकास की गति में प्रगति आदि के रूप में बहुत लाभदायक प्रभाव होंगे।

प्रस्तावित परियोजना से बहुत संख्या में लोगों को सीधे रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। इस परियोजना से अनेक परिवारों को परोक्ष रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे, जो परियोजना के कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रकार की सेवाएं प्रदान करेंगे। परियोजना के कारण क्षेत्र में सहायक उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा जिससे न केवल रोजगार की संभावनाओं में वृद्धि होगी अपितु क्षेत्र की आर्थिक बुनियादी और मजबूत होगी।

कम ग्रेड के गैर–राख तत्व वाले कोयले का बेनिफिशिएशन आर्थिक एवं पर्यावरण दृष्ट्या काफ़ी महत्वपूर्ण है। अतः परियोजना से होने वाले गणनीय लाभों को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित परियेाजना क्षेत्र के साथ–साथ राष्ट्र के लिए बहुत लाभकारी सिद्ध होगी।